DAINIK JAGRAN, Delhi, 19.10.2020
Page No. 2, Size:(10.28)cms X (21.10)cms.

# गौतमबुद्ध नगर में बुलेट ट्रेन के होंगे दो ठहराव

**जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा:** दिल्ली-वाराणसी रूट पर बुलेट (हाई स्पीड) ट्रेन दौड़ेगी। गौतमबुद्ध नगर में इसके दो ठहराव होंगे। ट्रेन की रफ्तार करीब तीन सौ किमी प्रति घंटा की होगी। इसे दिल्ली से वाराणसी तक की दूरी तय करने में करीब चार घंटे लगेंगे। हाईस्पीड ट्रेन का रूट तैयार करने के लिए नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा है। नियाल अधिकारियों के मुताबिक विकासकर्ता कंपनी नोएडा एयरपोर्ट का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। इसके मिलने पर एनएचएसआरसीएल से साझा किया जाएगा। इस हाईस्पीड ट्रेन का ट्रैक गौतमबुद्ध नगर से आगरा तक यमुना एक्सप्रेस वे के समानांतर होगा।

**865 किमी लंबा होगा दिल्ली वाराणसी रूट:** दिल्ली वाराणसी हाईस्पीड ट्रेन का रूट 865 किमी लंबा होगा। एनएचएसआरसीएल इस रूट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करा रही है।

**ये हो सकते हैं ठहराव:** दिल्ली सराय काले खां, नोएडा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी।

**नियाल से मांगा गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान:** हाईस्पीड ट्रेन का रूट फाइनल करने के लिए नियाल से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा गया है। इसके आधार पर ही टर्मिनल एक पर हाईस्पीड ट्रेन के स्टेशन की जगह तय की जाएगी।

## नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर होगा ठहराव

दिल्ली वाराणसी रूट पर गौतमबुद्धनगर ही एकमात्र ऐसा जिला होगा, जिसमें हाईस्पीड ट्रेन के दो ठहराव स्टेशन होंगे। पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर 148 में एफएनजी के आस पास होगा। दूसरा ठहराव नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर एक पर होगा। एयरपोर्ट पर उतरने या यात्रा करने वाले यात्री हाईस्पीड ट्रेन से आसानी से दिल्ली, वाराणसी की ओर आ जा सकेंगे। यीडा सिटी के निवासी भी रेल सेवा से जुड़ जाएंगे।

## पर्यटन व औद्योगिक नगरों को मिलेगी रफ्तार

हाईस्पीड ट्रेन के रूट में आने वाले सभी शहर अहम है। यह शहर पर्यटन या औद्योगिक केंद्र हैं। गौतमबुद्ध नगर, आगरा, कन्नौज, भदोही, वाराणसी औद्योगिक केंद्र हैं। वहीं आगरा, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी पर्यटन के बड़े केंद्र हैं। हाईस्पीड ट्रेन से जुड़ने से इन शहरों के विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

DAINIK JAGRAN RASTRIYA SANSKARAN, Delhi,
Page No. 2, Size:(29.05)cms X (12.82)cms.

योजना

ट्रेन की रफ्तार होगी करीब तीन सौ किमी प्रति घंटा, दिल्ली से वाराणसी तक जाने में लगेंगे चार घंटे

# गौतमबुद्धनगर में बुलेट ट्रेन के होंगे दो ठहराव

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

दिल्ली-वाराणसी रूट पर बुलेट (हाई स्पीड) ट्रेन दौड़ेगी। गौतमबुद्ध नगर में इसके दो ठहराव होंगे। ट्रेन की रफ्तार करीब तीन सौ किमी प्रति घंटा की होगी। इसे दिल्ली से वाराणसी तक की दूरी तय करने में करीब चार घंटे लगेंगे। हाईस्पीड ट्रेन का रूट तैयार करने के लिए नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा है। नियाल अधिकारियों के मुताबिक विकासकर्ता कंपनी नोएडा एयरपोर्ट का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। इसके मिलने पर एनएचएसआरसीएल से साझा किया जाएगा।

प्रतीकात्मक

## 865 किमी लंबा होगा दिल्ली-वाराणसी रूट

दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड ट्रेन का रूट 865 किमी लंबा होगा। एनएचएसआरसीएल इस रूट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करा रही है।

## यह हो सकते हैं ठहराव

दिल्ली सराय काले खां, नोएडा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी।

## नियाल से मांगा गया एयरपोर्ट का मास्टर प्लान

हाईस्पीड ट्रेन का रूट फाइनल करने के लिए नियाल से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा गया है। इसके आधार पर ही टर्मिनल एक पर हाईस्पीड ट्रेन के स्टेशन की जगह तय की जाएगी।

## केवल गौतमबुद्ध नगर में होंगे दो स्टेशन

दिल्ली-वाराणसी रूट पर गौतमबुद्धनगर ही एकमात्र ऐसा जिला होगा, जिसमें हाईस्पीड ट्रेन के दो ठहराव स्टेशन होंगे। पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर-148 में एफएनजी के आसपास होगा। दूसरा ठहराव नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर-एक पर होगा। एयरपोर्ट पर उतरने या यात्रा करने वाले हाईस्पीड ट्रेन से आसानी से दिल्ली, वाराणसी की ओर आ-जा सकेंगे। यीडा सिटी के निवासी भी रेल सेवा से जुड़ जाएंगे।

## जमीन की उपलब्धता होगी आसान

हाईस्पीड ट्रेन का ट्रैक गौतमबुद्ध नगर से आगरा तक यमुना एक्सप्रेस वे के समानांतर होगा। आगरा से लखनऊ तक यह ट्रैक आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के समानांतर होगा। एक्सप्रेस वे के किनारे पहले से ही जमीन अधिगृहीत है। इसलिए ट्रैक के लिए जमीन की उपलब्धता में किसी तरह की अड़चन पैदा नहीं होगी। रूट बनने के साथ नए इलाके भी रेल की सुविधा से जुड़ जाएंगे।

## पर्यटन और औद्योगिक नगरों को मिलेगी रफ्तार

हाईस्पीड ट्रेन के रूट में आने वाले सभी शहर अहम हैं। ये शहर पर्यटन या औद्योगिक केंद्र हैं। गौतमबुद्ध नगर, आगरा, कन्नौज, भदोही, वाराणसी औद्योगिक केंद्र हैं। वहीं आगरा, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी पर्यटन के बड़े केंद्र हैं। हाईस्पीड ट्रेन से जुड़ने से इन शहरों के विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

AMAR UJALA ( MY CITY ), NOIDA, 19.10.2020
Page No. 1, Size:(21.54)cms X (15.80)cms.

# गौतमबुद्ध नगर में होंगे बुलेट ट्रेन के दो स्टेशन

## सेक्टर-148 और नोएडा एयरपोर्ट के पास बनाने की योजना, दिल्ली से वाराणसी तक प्रस्तावित है ट्रेन

माई सिटी रिपोर्टर

**ग्रेटर नोएडा।** दिल्ली से वाराणसी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन का सबसे अधिक फायदा गौतमबुद्ध नगर जिले को मिलेगा। यहां बुलेट ट्रेन के दो स्टेशन होंगे। पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर-148 और दूसरा नोएडा एयरपोर्ट के पास बनाने की योजना है।

दिल्ली से वाराणसी के बीच 865 किमी लंबे रूट पर नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। वैसे तो इस ट्रेन से उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लोगों को लाभ मिलेगा, लेकिन सबसे ज्यादा फायदा जिले को होगा। यह पहला जिला है जहां दो स्टेशन प्रस्तावित हैं। नोएडा एयरपोर्ट के टर्मिनल-वन के नजदीक स्टेशन बनेगा। इससे एयरपोर्ट के यात्रियों को फायदा मिलेगा। बुलेट ट्रेन से चार घंटे में दिल्ली से वाराणसी का सफर तय होगा। सराय काले खां से चलने के बाद सबसे पहले बुलेट ट्रेन नोएडा के सेक्टर-148 में रुकेगी। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से इस बाबत रिपोर्ट मांगी है। हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन पहले ही टेंडर निकाल चुका है। अब स्टेशन व कॉरिडोर को तय किया जा रहा है। नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली की कनेक्टिविटी को देखते हुए जिले में दो स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं। नियाल के अधिकारियों ने बताया कि डीपीआर तैयार होने के बाद ही सही स्थिति का पता चल सकेगा। दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट की इससे बेहतर कनेक्टिविटी नहीं हो सकती। नोएडा में स्टेशन बनने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के अलावा गाजियाबाद व आसपास के लोग बुलेट ट्रेन से सफर कर सकेंगे, जबकि नोएडा एयरपोर्ट के पास बनने से जेवर के साथ ही अलीगढ़, बुलंदशहर व आसपास के लोग आसानी से पहुंच सकेंगे। इन दोनों स्टेशनों के बनने से यहां की आबादी को फायदा होगा।

### दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट 20 मिनट में पहुंचेंगे

*दिल्ली से चलने के बाद बुलेट ट्रेन का नोएडा में सेक्टर-148 स्टेशन पहला पड़ाव होगा और फिर यहां से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचकर ट्रेन रुकेगी। करीब 50 किलोमीटर की यह दूरी करीब 20 मिनट में ही तय हो जाएगी। इसका फायदा यह मिलेगा कि एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले दिल्ली के यात्री आसानी से यहां पहुंच सकेंगे। फिलहाल, एयरपोर्ट से 2023-24 में हवाई सफर शुरू करने की योजना है। इसके लिए ज्यूरिख इंटरनेशनल से 7 अक्तूबर को करार हो चुका है। कंपनी को दो माह के भीतर एयरपोर्ट का नक्शा जमा करना है।*

DAINIK JAGRAN ( JAGRAN CITY ), NOIDA, 19.10.2020
Page No. 4, Size:(19.66)cms X (17.82)cms.

# गौतमबुद्ध नगर में बुलेट ट्रेन के होंगे दो ठहराव

**जासं, ग्रेटर नोएडा:** दिल्ली वाराणसी रूट पर बुलेट (हाई स्पीड) ट्रेन दौड़ेगी। गौतमबुद्ध नगर में इसके दो ठहराव होंगे। ट्रेन की रफ्तार करीब तीन सौ किमी प्रति घंटा की होगी। इसे दिल्ली से वाराणसी तक की दूरी तय करने में करीब चार घंटे लगेंगे। हाईस्पीड ट्रेन का रूट तैयार करने के लिए नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा है। नियाल अधिकारियों के मुताबिक विकासकर्ता कंपनी नोएडा एयरपोर्ट का मास्टर प्लान तैयार कर रही है।

**865 किमी लंबा होगा दिल्ली-वाराणसी रूट:** दिल्ली वाराणसी हाईस्पीड ट्रेन का रूट 865 किमी लंबा होगा। एनएचएसआरसीएल इस रूट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करा रही है।

**गौतमबुद्ध नगर में होंगे दो स्टेशन:** दिल्ली वाराणसी रूट पर गौतमबुद्धनगर ही एकमात्र ऐसा जिला होगा, जिसमें हाईस्पीड ट्रेन के दो ठहराव स्टेशन होंगे। पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर-148 में एफएनजी के आस पास होगा। दूसरा ठहराव नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर एक पर होगा। एयरपोर्ट पर उतरने या यात्रा करने वाले यात्री हाईस्पीड ट्रेन से आसानी से दिल्ली, वाराणसी की ओर आ जा सकेंगे। यीडा सिटी के निवासी भी रेल सेवा से जुड़ जाएंगे।

**यह हो सकते हैं ठहराव:** दिल्ली सराय काले खां, नोएडा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी।

**नियाल से मांगा गया एयरपोर्ट का मास्टर प्लान:** हाईस्पीड ट्रेन का रूट फाइनल करने के लिए नियाल से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मास्टर प्लान मांगा गया है। इसके आधार पर ही टर्मिनल एक पर हाईस्पीड ट्रेन के स्टेशन की जगह तय की जाएगी।

**जमीन की उपलब्धता होगी आसान:** हाईस्पीड ट्रेन का ट्रैक गौतमबुद्ध नगर से आगरा तक यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर होगा। आगरा से लखनऊ तक यह ट्रैक आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के समानांतर होगा। एक्सप्रेस वे के किनारे पहले से जमीन अधिगृहीत है। ट्रैक के लिए जमीन की उपलब्धता में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। रूट बनने के साथ नए इलाके भी रेल की सुविधा से जुड़ जाएंगे।

## पर्यटन व औद्योगिक नगरों को मिलेगी रफ्तार

हाईस्पीड ट्रेन के रूट में आने वाले सभी शहर अहम है। यह शहर पर्यटन या औद्योगिक केंद्र हैं। गौतमबुद्ध नगर, आगरा, कन्नौज, भदोही, वाराणसी औद्योगिक केंद्र हैं। वहीं आगरा, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी पर्यटन के बड़े केंद्र हैं। हाईस्पीड ट्रेन से जुड़ने से इन शहरों के विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

NAVBHARAT TIMES, NOIDA, 19.10.2020
Page No. 1, Size:(11.13)cms X (13.86)cms.

# सेक्टर 148 और जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगा बुलेट ट्रेन का स्टेशन

■ **एस, ग्रेनोः** दिल्ली और वाराणसी के बीच 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन का स्टॉपेज नोएडा सेक्टर 148 व जेवर इंटरनैशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर-1 के पास बनेगा। इसके लिए नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने डिटेल प्रॉजेक्ट रिपोर्ट मांगी है। नोएडा व जेवर एयरपोर्ट के पास स्टॉपेज बनने से गाजियाबाद समेत बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा समेत गौतमबुद्धनगर की सीमा से सटे हरियाणा के कई जिले के लोगों को फायदा होगा। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन के मुताबिक, गौतमबुद्ध नगर जिले के 2 शहरों नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनेंगे। एक स्टेशन नोएडा के सेक्टर-148 में तो दूसरा जेवर में बनने जा रहे नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के नजदीक बनेगा। इसका मकसद एयरपोर्ट के यात्रियों को फायदा पहुंचाना है। इसके लिए नियाल से नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने डिटेल प्रॉजेक्ट रिपोर्ट भी मांगी है। बताया जा रहा है कि इस बुलेट ट्रेन की मदद से सिर्फ 4 घंटे में दिल्ली से वाराणसी का सफर तय किया जा सकेगा। दिल्ली के सराय काले खां से चलने के बाद बुलेट ट्रेन नोएडा सेक्टर-148 में बनने वाले स्टेशन पर रुकेगी। फिर यह नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट टर्मिनल पर बनने वाले स्टेशन पर रुकेगी।

■ नियाल से नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने मांगी डिटेल प्रॉजेक्ट रिपोर्ट

**ये होंगे स्टेशन**

जेवर एयरपोर्ट, नोएडा सेक्टर-148, सराय काले खां, आगरा, इटावा, कन्नौज, प्रयागराज, लखनऊ